एक नजर में

गाय का बजरंगियों ने किया अंतिम संस्कार

मुलताई। नगर में रेल्वे स्टेशन के पास ट्रेन से कटी गाय का बजरंगियों ने विधिवत अंतिम संस्कार किया।सागर बजरंगी ने बताया बजरंग दल आमला के बजरंगी ट्रेन से आमला जा रहे थे, उन्हें रास्ते में चलती ट्रेन से दिखाई दिया की रेल्वे लाईन पर एक गाय की ट्रेन की चपेट में आने से मृत्यु हो गई है।जिसकी सूचना उन्होंने बजरंग दल मुलतापी के प्रखंड सप्ताहिक मिलन प्रमुख सागर बजरंगी को दी।तत्काल संगठन के सुरक्षा प्रमुख, दिपांशु साहू, गौ रक्षा प्रमुख प्रवीण राऊत, पंकज बिहारे, सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे। सर्प मित्र श्रीकांत विश्वकर्मा, नागेश साहू ने तो बताया गाय की मृत्यु 2 दिन पहले हुई थी,आवारा कुत्तों द्वारा आंतक मचाया हुआ था। मृत गाय रेलिंग एवं रेल्वे की गिट्टी की खन्ती में फस गई थी, जिसे छोटू पाटिल धर्मेंद्र नरवरे, रोहित मराठा, राहुल बचले ने रस्सी बांधकर बाहर निकालकर रेल्वे के ठेकेदार से चर्चा कर जेसीबी मशीन से सुरक्षित स्थान पर गड्ढा खुदवाकर गाय का अंतिम संस्कार किया।

ओवरब्रिज के कार्य के कारण आज बंद रहेगी बिजली

मुलताई। रेल्वे स्टेशन के पास निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के कार्य के लिए सेन्ट्रल रेल्वे द्वारा गुरूवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक 33 केव्ही मुलताई, 33 केव्ही इंडस्ट्रियल, 33 केव्ही प्रभात पटट्न, 33 केव्ही रायआमला एवं 33 केव्ही मोही फीडर पर ट्रेक्शन कासिंग के लिए कुल 5 घण्टे विद्युत प्रवाह बंद किया जाना है। जिससे सम्पूर्ण मुलताई शहर,प्रभात पटट्न, नरखेड़, तिवरखेड़, चौथिया, जामगांव, सोनोली, खरसाली, गौनापुर, ईसापुर, वण्डली, गोपाल तलाई, गौला, रायआमला वितरण केन्द्र अंर्तगत आने वाले समस्त ग्राम जैसे रायआमला आष्टा, अमरावती घाट, बलेगॉव, ताईखेड़ा, बघोड़ा, हिड़ली, सावंगी, दातोरा, हिवरखेड़, बिरूलबाजार, धाबला, सांडिया, बिहरगाव, जौलखेड़ा वितरण केन्द्र अंतर्गत आने वाले समस्त ग्राम मोही, हेटीखापा, भिलाई, सेमझिरा, पाथाखेड़ा, आमाबघोली, एनस, जूनापानी, नगरकोट, उभारिया सहित समस्त ग्राम प्रभावित होंगे।

फूड फॉरेस्ट से खदारा गांव बना हरियाली का उदाहरण

बैतूल। जैव विविधता को संरक्षित करने और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से खदारा गांव में एक प्रेरणादायक पहल की गई है। 5 अगस्त को एकता ग्रामीणजन सहयोग संस्था द्वारा ग्राम खदारा में फूड फॉरेस्ट का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। इस अभिनव प्रयास में संस्था के सदस्य श्याम बेलवंशी, वैभव सिंह, संजू यादव, संतोष इवने, राजेश्वरी साहू सहित ग्राम के कई युवा और स्कूली बच्चों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर संस्था से जुड़े वैभव सिंह ने फूड फॉरेस्ट की अवधारणा पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केवल मानवों के लिए ही नहीं, पशु-पक्षियों और कीट-पतंगों जैसे समस्त जीवों के लिए भी प्रकृति के अनुरूप खाद्य उपलब्ध कराने की सोच के साथ यह प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक रूप से पौधरोपण कर जैव विविधता को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। खदारा गांव में तैयार इस फूड फॉरेस्ट में आम, आंवला, नींबू, पपीता, करौंदा, कटहल, अमरूद, सीताफल, सहजन (मोरिंगा), जामुन जैसे विभिन्न फलदार पौधों का प्राकृतिक तरीके से रोपण किया गया है।

आदत में बदलाव नहीं, खाली प्लाटों पर जमा कर रहे कचरा

नवभारत न्यूज

बैतूल, 6 अगस्त. नगर पालिका शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए दिन-रात सफाई पर ध्यान दे रही है। कचरा कलेक्शन के लिए कचरा वाहन चलाये जा रहे है।

यहां-वहां फेंका जा रहा कचरा, शहर हो रहा गंदा

स्वच्छता रैंकिंग पर भी पड़ता है असर

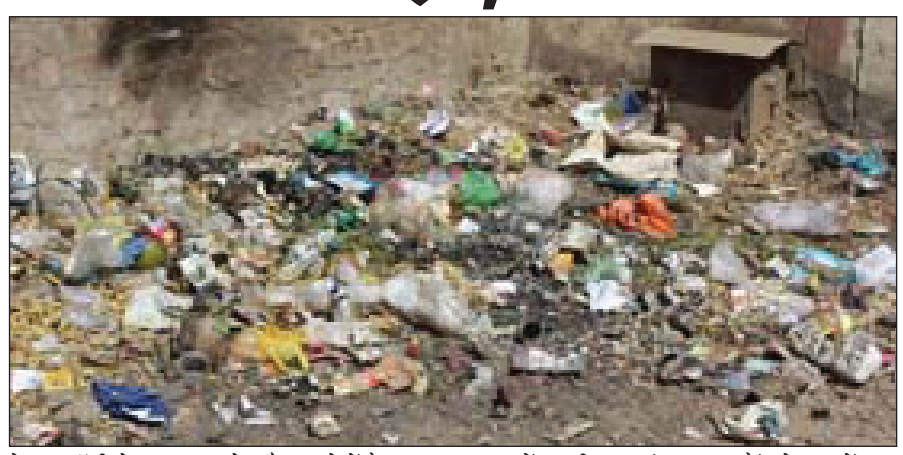

लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि गाड़ी में ही कचरा डाले, लेकिन इसके बावजूद लोग जागरूक नहीं है। खाली जगहों पर कचरा फेंक कर शहर को गंदा किया जा रहा है। कई मोहल्ले तो ऐसे है, जहां खाली जगहों पर कचरे के ढेर लगा दिये जाते है, हालांकि नगरपालिका का सफाई अमला ट्रेक्टर-ट्रॉली से कचरा उठा लेता है, फिर भी लोग रात में या दिन में कचरा जमा कर देते है। बता दे कि नगरपालिका की शहर के सभी 33 वार्डो में कचरा संग्रहण के लिए कचरा वाहन चलते है। सुबह कचरा वाहन हर गली-मोहल्ले में पहुंचते है, लेकिन लोग कचरा वाहन में कचरा न डालकर यहां-वहां फेंक देते है। लोगों के अलावा दुकानदारों का भी यहीं आलम है। दुकानदार भी अपने दुकानों का कचरा सडक पर फेंक देते है। जिससे शहर साफ नहीं हो पा रहा है और स्वच्छता सर्वेक्षण में भी बेहतर स्थान नहीं मिल रहा है।

जुर्माने की कार्रवाही के बाद भी बदलाव नहीं : नगरपालिका द्वारा शहर को गंदा करने या यहां-वहां कचरा फेंकने वालों पर कार्रवाही की जाती है। जुर्माना लगाया जाता है, लेकिन इसके बाद भी लोगों की आदत में सुधार नहीं आ रहा है। लोग दिन या रात के समय सडकों पर कचरा डालते हैं। इसे रोकने के लिए अब हम जुर्माने की कार्रवाही भी शुरू कर दी है। लेकिन फिर भी शहर के कई वार्डो कचरे दिखाई पड़ ही जाता है। गंदगी पसरी होने से मच्छर पनप रहे हैं और हमेशा संक्रमित बीमारियां फैलने का डर बना रहता है। बरसात के मौसम में स्थिति ज्यादा खराब हो जाती है। क्योंकि कचरे में पानी भर जाने से दुर्गंध आती रहती है। इसके बाद भी लोगों की आदत में सुधार नहीं हो रहा है।

> कचरा कलेक्शन के लिए नगरपालिका के सभी 33 वार्डो में रोजाना कचरा गाड़ी पहुंचती है। लेकिन फिर भी लोग यहां-वहां कचरा डाल देते है। ऐसे लोगों पर जुर्माने की कार्रवाही की जा रही है और लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि वह कचरा गाड़ी में ही कचरा डाले।
> **- संतोष धनेलिया,** स्वच्छता प्रभारी, नगरपालिका बैतूल

नपा के पास हैं 38 टिप्पर वाहन और 5 ट्रैक्टर

नगरपालिका के पास शहर का कचरा कलेक्शन के लिए 38 टिप्पर वाहन (कचरा गाडी) और 5 ट्रेक्टर-ट्रॉली है। 33 कचरा वाहन शहर प्रत्येक वार्ड में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन करता है। इसके अलावा यहां-वहां पड़े कचरे को ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से उठाकर ट्रेचिंग ग्राउंड पहुंचाया जाता है। बताया जाता है कि शहर के 33 वार्डो में कचरा कलेक्शन के लिए 33 वाहन लगे है। इसके अलावा 2 वाहन पूजन सामग्री कलेक्ट करते है और 3 वाहन मार्केट का कचरा उठाते है। इसके बाद भी हर दिन कचरा सडकों पर फेंका जा रहा है। शहर के वार्डो और व्यवसायिक क्षेत्रों में दुकानें बंद होने के बाद कई लोग कचरा फेंक देते हैं। यही कारण है कि सफाई के बाद भी सडकें गंदी हो रही हैं।

खाली प्लाटों और जगहों पर जमा हो रहा कचरा

शहर की कालोनियों में खाली पड़े प्लाट और जगहों को लोगों ने कचारा घर बना रखा है। यह लोग कचरा वाहन में कचरा न फेंककर इन स्थानों पर जमा करते है। जिससे आसपास गंदगी और दुर्गंध का माहौल बना रहता है। ऊपर से मच्छरों की संख्या इसी वजह से भी बढ़ रही है। बताया जा रहा है कि बाजारों में भी कई दुकानदार दुकानें बंद करने के बाद पूरे कचरे को सडक पर ढेर लगाकर चले जाते हैं। सुबह नपा के अमले को इसे उठाने में काफी मशक्कत करना पड़ती है। नपा के स्वच्छता प्रभारी संतोष धनेलिया ने बताया कि जब सफाई का काम पूरा हो जाता है, उसके बाद लोग कचरा फेंकते हैं। जिन्हें समझाईश देने के बाद भी लोग नहीं सुधार रहे है।

संविदा कर्मचारियों की नियमितीकरण की मांग, निकाली रैली

बैतूल। संविदा पर कार्यरत बिजली कर्मचारियों को नियमित किए जाने की मांग को लेकर बुधवार को भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध बिजली कर्मचारी महासंघ के नेतृत्व में रैली निकाली गई। इसके पश्चात प्रबंध संचालक, मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, भोपाल के नाम महाप्रबंधक संचा/संधा, मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैतूल वृत्त को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन सौंपते हुए पूर्व प्रदेश महामंत्री मधुकर साबले ने कहा कि संविदा कर्मचारियों की मांगें पूरी तरह से जायज हैं और लंबे समय से

नियमितीकरण की मांग को लेकर संघर्ष किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भारतीय मजदूर संघ इन मांगों को लेकर गंभीर है और हर स्तर पर प्रयास कर रहा है ताकि कर्मचारियों को उनका हक मिल सके। रैली में बड़ी संख्या में संविदा कर्मचारी उपस्थित रहे। रैली के बाद बिजली कर्मचारी महासंघ के कार्यकर्ताओं द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन का वाचन महासंघ के सचिव विजय यादव ने किया। कार्यक्रम का समापन भी अध्यक्ष चंद्रभान पंडाग्रे द्वारा किया गया। ज्ञापन सौंपने वालों में भारतीय मजदूर संघ के पूर्व महामंत्री मधुकर साबले, विभाग प्रमुख विनय डोंगरे, अध्यक्ष संपत दरवाई, जिला मंत्री पंजाबराव गायकवाड, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश मंसूरिया, पर्वतराव ठाकरे, बिजली कर्मचारी महासंघ के वृत्त अध्यक्ष चंद्रभान पंडाग्रे, सचिव विजय यादव, संतोष शिंदे, संतोष गुप्ता, निरंजन सिंह, रामकिशोर सोनी, निशांत मेश्राम, कुलदीप ठाकरे सहित अन्य संविदा कर्मचारी शामिल थे। रैली के माध्यम से कर्मचारियों ने अपनी आवाज बुलंद की और मांग की कि उन्हें शीघ्र नियमित किया जाए ताकि भविष्य की असुरक्षा समाप्त हो सके।

12 वाहन चालकों से वसूला गया समन शुल्क

सारनी। थाना सारनी पुलिस द्वारा यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई करते हुए बुधवार को क्षेत्र में बिना नंबर प्लेट चलने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया गया।

बिना नंबर प्लेट के वाहनों पर पुलिस ने की कार्रवाही

पुलिस ने वाहन चालकों से वसूला 6 हजार समन शुल्क

इस कार्रवाई के तहत अब तक कुल 12 वाहनों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 6000 का समन शुल्क वसूला गया। थाना प्रभारी जयपाल इनवाती ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी वाहन चालकों को वैधानिक रूप से नंबर प्लेट लगवाने हेतु समझाइश दी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। नागरिकों से अपील की गई है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें और अपने वाहनों पर स्पष्ट रूप से नंबर प्लेट अवश्य लगवाएं। पुलिस की कार्रवाही से वाहन चालक इधर-उधर से भागते नजर आये।

आम जनता से समन्वय स्थापित करना पहली प्राथमिकता : धुर्वे

भैंसदेही। मुख्यालय थाना के नए थाना प्रभारी सरविंद्र धुर्वे ने सोमवार को पदभार ग्रहण किया। वही थाना स्टॉप ने नवागत थाना प्रभारी धुर्वे का आत्मीय स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के बाद थाना प्रभारी धुर्वे ने प्रेस वार्ता बुलाई गई , उपस्थित पत्रकारों से परिचय किया। पत्रकारो ने मां पूर्णा की नगरी में आगमन होने पर स्वागत किया। जिसके बाद प्रेस वार्ता में सवालों का जवाब देते हुए कहा कि थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना, अपराध पर अंकुश लगाना और आम जनता से बेहतर समन्वय स्थापित करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस की भूमिका केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं, बल्कि लोगों की समस्याओं को समझकर समाधान देना भी है। साथ यह भी बताया कि समय समय पर आम जनता को जागृत करने के लिए अभियान भी चलाए जाएंगे। अवैध गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का पूरा प्रयास किया जाएगा, अवैध गतिविधिया बर्दाश्त नहीं की जाएंगी , नगर की सुरक्षा के लिए पूर्व से नगर के चौक चौराहों पर लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की जांच कर बंद पड़े कैमरों को चालू करवाया जाएगा, रात्रि गश्त पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाएगा, जिससे चोरी की घटनाओं पर अंकुश लग सके।

टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत गतिविधि आयोजित

बैतूल। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 100 दिवसीय नि-क्षय शिविर अभियान 20 मई 2025 से जिले में प्रारंभ है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि अभियान के अंतर्गत टीबी स्क्रीनिंग, एक्स-रे, खखार जांच सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधित जांच एवं उपचार शिविर आयुष्मान आरोग्य केन्द्रों पर लगाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक 139 शिविर लगाए गए, जिसमें 1 लाख 53 हजार 796 स्क्रीनिंग, 4869 एक्स-रे एवं 3935 खखार जांच की गई जिसमें से 228 टीबी के मरीज पाये गये, जिनका उपचार प्रारंभ किया जा चुका है। जिला क्षय अधिकारी डॉ आनंद मालवीय ने बताया कि क्षय विभाग बैतूल को एक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे

जिले में आयोजित हुए 139 शिविर

3935 लोगों के खखार की हुई जांच

मशीन प्राप्त हुई जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाली तकनीक पर काम करती है इस मशीन से टीबी संभावित मरीजों सहित अन्य रोगों का एक्स-रे किया जा रहा है। 100 दिवसीय अभियान अंतर्गत केम्प लगाकर एक्स-रे किये जा रहे हैं, विकासखंड स्तर पर उच्च जोखिम समूह वाले व्यक्तियों की टीबी स्क्रीनिंग जांच एवं उपचार कार्य लगातार किया जा रहा है। साथ ही 186 निक्षय मित्र बनाकर टीबी मरीजों को 149 फूड बास्केट प्रदाय किये गये हैं। 8 दिन से अधिक दिनों से खांसी आना, लगातार वजन कम होना, शाम के समय बुखार आना, कमजोरी महसूस होना या खखार में खून आना या रात्रि में सोते समय पसीना आना ये सब टीबी के संभावित लक्षण हैं। परिवार में किसी को इस प्रकार के लक्षण दिखाई देते हैं तो नजदीकी स्वास्थ्य संस्था में जाकर खखार की जांच एवं छाती का एक्स-रे जरूर करवाएं।

खंडहर आवासों की निष्पक्ष जांच की मांग, सौंपा ज्ञापन

सारनी। आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयुक्त सचिव अजय सोनी ने एमपीपीजीसीएल सारनी के मुख्य अभियंता से आग्रह किया है कि पुराने शासकीय आवासों की भौतिक स्थिति का निष्पक्ष निरीक्षण कराया जाए। उन्होंने कहा कि वर्षों से खाली पड़े कई आवास अब खंडहर में तब्दील हो चुके हैं, जिनकी सामग्री चोरी हो चुकी है, फिर भी विभाग मौन है। विद्युत परियोजना क्षेत्र में पूर्व वर्षों से निर्मित शासकीय आवासों की भौतिक स्थिति का निष्पक्ष निरीक्षण कराया जाए ,ताकि केवल वर्तमान में अस्तित्व में मौजूद खंडार वासन को यह डिस्मेंटल प्रक्रिया में शामिल किया जा सके। आरटीआई से मिली जानकारी के अनुसार, कई ऐसे आवास जो अब अस्तित्व में नहीं हैं, उन्हें कागजों में दर्ज किया गया है। यह गंभीर विसंगति शासन को आर्थिक नुकसान पहुँचा सकती है। सोनी ने चेतावनी दी कि यदि जांच कर दोषियों पर कार्यवाही नहीं हुई और गायब आवासों को डिस्मेंटल सूची में शामिल किया गया, तो पार्टी विरोध प्रदर्शन करेगी। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

पेड़ को बांधी जाएगी 79 फीट लंबी राखी

बैतूल। ग्राम सिमोरी में इको क्लब के तत्वावधान में इस वर्ष रक्षाबंधन पर्व को अनोखे और प्रेरणादायी रूप में मनाया जाएगा। एक पेड़ मां के नाम, एक राखी पेड़ के नाम थीम के तहत ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, सैनिकों और स्कूली बच्चों द्वारा 8 अगस्त शुक्रवार को पेड़ों को राखी बांधी जाएगी। इस अवसर पर 79 फीट लंबी विशेष राखी तैयार की गई है, जो 79वें स्वतंत्रता दिवस वर्ष को समर्पित है। यह विशेष राखी स्कूली बच्चों के साथ ममता गौहर, राधिका पटैया एवं इको क्लब के सहयोग से तैयार की गई है। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह

ग्राम सिमोरी में शहीद अमृतादेवी विश्नोई के पूजन के साथ होगी। इसके बाद बच्चों और ग्रामीणों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, जो शोभायात्रा के रूप में गांव में घूमते हुए पेड़ों तक पहुंचेगी। वहां पर ढोल-नगाड़ों और पर्यावरण संरक्षण के नारों के साथ 79 फीट लंबी राखी पेड़ों को बांधी जाएगी। संस्था के प्रधान पाठक शैलेंद्र बिहारिया ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य लोगों को पेड़ों से भावनात्मक रूप से जोड़ना है ताकि वे पेड़ों को केवल प्राकृतिक संपत्ति नहीं, बल्कि अपने भाई की तरह समझें और उनकी रक्षा करें। पेड़ हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, इसलिए हमें उनकी रक्षा करनी चाहिए। इस आयोजन में ग्राम सिमोरी के सरपंच, पंच, सैनिकगण, ग्रामीणजन, विद्यालयीन छात्र-छात्राएं, इको क्लब के सदस्य और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए पेंशन शिविर संपन्न

बैतूल। जिले में लंबित पेंशन प्रकरणों की अधतन स्थिति की समीक्षा एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एक दिवसीय पेंशन शिविर का आयोजन किया गया।

विभागीय स्तर पर हुई लंबित पेंशन प्रकरणों की समीक्षा

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुआ शिविर

जिला पेंशन अधिकारी श्रीमती मीनाक्षी मधुसूदन डाहरे ने बताया कि जिले के समस्त विभागों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में उनके विभागीय स्तर पर लंबित पेंशन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि अनेक प्रकरण विविध कारणों से लंबित हैं, जिनमें प्रमुख रूप से न्यायालयीन स्तर पर लंबित प्रकरण, विभागीय जांचाधीन प्रकरण, विभागीय स्तर पर प्रशासनिक कारणों से लंबित प्रकरण, लोकायुक्त द्वारा चिन्हित प्रकरण, तकनीकी त्रुटियों के कारण अटके प्रकरण सम्मिलित हैं। जिला पेंशन अधिकारी द्वारा समस्त विभागों को यह निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभागीय स्तर पर लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर तत्काल निस्तारण करें एवं ऐसे प्रकरणों को शीघ्रता से जिला पेंशन कार्यालय को प्रेषित करें, जिससे पात्र सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को समयबद्ध पेंशन स्वीकृति एवं भुगतान सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर अधिकारी गण मौजूद रहे।

कार्यक्रम आंगनवाड़ी केंद्र ठानी में मनाया गया विश्व स्तनपान सप्ताह , महिलाओं को बताया मां के दूध का महत्व

मां का दूध ही बच्चे की पहली वैक्सीन : सीएचओ स्वाति रघुवंशी

बैतूल। जिलेभर में 1 अगस्त से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह और सुपोषण दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बैतूल ग्रामीण परियोजना के आंगनवाड़ी केंद्र ठानी में मंगलवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित सीएचओ स्वाति रघुवंशी ने कहा कि मां का पहला दूध अमृत के समान होता है, इसे जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को अवश्य पिलाना चाहिए। इसमें मौजूद कोलेस्ट्रॉल शिशु को कई गंभीर बीमारियों से बचाता है। उन्होंने बताया कि नवजात शिशु को छह माह तक केवल मां का दूध ही दिया जाना चाहिए और इसके बाद ऊपरी आहार के साथ दो वर्ष तक

स्तनपान जारी रखना चाहिए। स्वाति रघुवंशी ने बताया कि स्तनपान से शिशु को आवश्यक पोषण और रोग प्रतिरोधक क्षमता मिलती है, यह मां के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है। इससे स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर और हृदय रोग के खतरे कम होते हैं। सुपोषण दिवस के अवसर पर आंगनवाड़ी केंद्रों से मिलने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके अंतर्गत गर्भवती और धात्री महिलाओं को बताया गया कि वे केंद्र पर आकर समय-समय पर योजनाओं का लाभ लें। साथ ही, बरसात के मौसम में आमतौर पर होने वाली बीमारियां जैसे उल्टी-दस्त और वायरल बुखार से बचाव के उपाय भी साझा किए गए।

स्वच्छता के महत्व की दी जानकारी : इस अवसर पर एएनएम सविता रघुवंशी ने महिलाओं को स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी और नियमित टीकाकरण कराने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि माताएं निर्धारित समय पर केंद्र आकर सभी आवश्यक टीके जरूर लगवाएं। कार्यक्रम में एएनएम अंतिम बाला, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा सहयोगिनी संयोगिता दुर्गा चौकीकर, आशा कार्यकर्ता रंजीता पाल, कई गर्भवती एवं धात्री महिलाएं तथा अन्य ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में संगोष्ठी आयोजित

बैतूल। शासकीय कन्या महाविद्यालय बैतूल में बुधवार को एक दिवसीय स्तनपान जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। संगोष्ठी का उद्देश्य छात्राओं को स्तनपान के महत्व और इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता महिला एवं बाल विकास विभाग से श्रीमती अर्चना तिवारी रहीं। उन्होंने विस्तार से बताया कि स्तनपान नवजात शिशु के लिए पहला और सर्वोत्तम आहार है, जो उसे पोषण के साथ कई बीमारियों से सुरक्षा भी प्रदान करता है।

स्वप्रेरित होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें

भैंसदेही। जनपद शिक्षा केंद्र भैंसदेही में मंगलवार को जन शिक्षकों की समीक्षा बैठक का आयोजन कार्यलय के सभा कक्ष में नव नियुक्त बीईओ संदीप राठौर की प्रमुख उपस्थिति में किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित जन शिक्षकों को बीईओ श्री राठौर द्वारा संबोधित करते हुए कहा गया कि जीर्ण शीर्ण भवन में शाला संचालन नहीं हो, आवश्यक होने पर एसएमसी के सहयोग से वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जावे , शिक्षक समय पर शाला मे उपस्थित रहकर शाला का सही से संचालन करें, कोई भी शिक्षक सक्षम अधिकारी से अवकाश स्वीकृत कराए बिना शाला नहीं छोड़े, सभी शिक्षक पाठ्यक्रम निर्धारित कर डेली डायरी बनाकर

अध्यापन कार्य सुनिश्चित करें, बच्चों का प्रतिदिन होमवर्क चेक कर उसमें सुधारात्मक टिप दे, कक्षा तीन से ऊपर के बच्चों को शुद्ध लेख , अंकों का ज्ञान हो तथा उनमे मूलभूत दक्षता जोड़, घटाना, गुणा, भाग की संक्रिया विकसित करें। शिक्षक अनुपस्थित बच्चों की जानकारी अपडेट रखें, सभी बच्चे प्रतिदिन गणवेश में शाला आए, सभी जन शिक्षक शाला का अवलोकन करते समय उपरोक्त बिंदुओं की मॉनिटरिंग अवश्य करें। संस्था में कार्यरत सभी शिक्षकों का जीवन ज्योति बीमा तथा प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा करवाने हेतु भी निर्देशित किया गया, उन्होंने कहां कि मैं किसी पर कार्रवाई करने में विश्वास नहीं रखता यदि शिक्षक स्वप्रेरित होकर स्वयं अपनी जिम्मेदारी से अपने कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे तो अच्छा होगा।